12. वृक्ष प्रेमी तिम्मक्का

- संकलित

इस पाठ में 'सालुमरद तिम्मक्का' के अमूल्य पर्यावरण-प्रेम का परिचय दिया गया है, जिससे बच्चे पर्यावरण की रक्षा करने में अपना निष्ठापूर्ण सहयोग दे सकते हैं।

सालुमरद तिम्मक्का का नाम आज कर्नाटक के कोने-कोने में व्याप्त है। कर्नाटक सरकार ने उन्हें इतने सारे पुरस्कारों से सम्मानित किया है कि समाज-सेवा के क्षेत्र में यह महिला एक मिसाल बन गयी है। इस आदर्श महिला के जीवन के बारे में हम कितना जानते हैं ! आइए, ग्रामीण प्रदेश के गरीब परिवार में जन्म लेनेवाली एक अनपढ़ महिला के उदात्त व्यक्तित्व एवं कार्य का परिचय पावें -

तिम्मक्का का जन्म तुमकूर जिला, गुब्बी तालुका में एक छोटे से गाँव कक्केनहल्ली में हुआ। उनके पिता चिक्करंगय्या और माता विजयम्मा थे। तिम्मक्का इनकी छः संतानों में से एक थी। तिम्मक्का के माँ-बाप मेहनत-मज़दूरी करते हुए अपना पेट पालते थे।

तिम्मक्का के पति का नाम बिक्कला चिक्कय्या था। वे भी अनपढ़ थे। रोज़ दूसरों के खेत में पसीना बहाकर, काम किया करते थे। इस दंपति को एक-एक कौर के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती थी। कमाई भी बहुत कम थी। यदि एक दिन मज़दूरी नहीं करते तो उन्हें भूखे रहना पड़ता था।

तिम्मक्का निस्संतान थी। पति-पत्नी बच्चों के लिए तरस जाते थे। अंत में उन्होंने एक बच्चे को गोद लिया। दत्तक पुत्र के सगे माँ-बाप को लोगों की कटु निंदा सुननी पड़ी। उन्होंने अपने बेटे को वापस ले लिया। अपना दत्तक पुत्र खोकर तिम्मक्का बहुत दुःखी हुई। लेकिन सन् 2005 में उन्होंने बल्लूरु के

Not to be republished © KSEEB

उमेश बी.एन. को पुत्र के रूप में अपनाया जो अब उनकी देखभाल कर रहा है।

तिम्मक्का और चिक्कय्या दोनों ने निश्चय किया कि अपने आप को किसी धर्म-कार्य में लगा लें। उनके गाँव के पास ही श्रीरंगस्वामी का मंदिर था, जहाँ हर साल मेला लगता था। वहाँ आनेवाले जानवरों के लिए पीने के पानी का इंतज़ाम किया।

तिम्मक्का ने रास्ते के दोनों ओर पेड़ लगाने, सींचने, बढ़ाने की बात सोची। यह काम आसान नहीं था। फिर भी उन्होंने हुलिकल और कुदूर के बीच के चार कि.मी. के रास्ते के दोनों ओर बरगद के डाल लगाये। उन पेड़ों की भेड़-बकरियों से रक्षा करने की व्यवस्था की।

पहले साल दस, दूसरे साल पंद्रह और तीसरे साल में नब्बे पेड़ लगाये। उन्हें अपने बच्चों की तरह प्रेम से पाला-पोसा। यह काम निरंतर दस सालों तक चलता रहा। पेड़ राहगीरों को छाया देने के साथ-साथ, पक्षियों के आश्रयधाम भी बन गए।

तिम्मक्का के जीवन में मुसीबत की घड़ियाँ शुरू हुईं। तिम्मक्का के पति की तबीयत खराब हुई। जो पेड़ उनकी देख-रेख में बड़े हुए, उन्हीं के नीचे चिक्कय्या भीख माँग रहे थे। उन्हें कभी पैसा मिलता तो कभी गालियाँ सुननी पड़ती। ऐसी बुरी हालत में चिक्कय्या चल बसे। तिम्मक्का अब अकेली पड़ गयी। फिर भी हिम्मत न हारी और अपने कार्य में तल्लीन रहीं।

तिम्मक्का ने अब तक 300 से अधिक पेड़ लगाये हैं। अब हमारी कर्नाटक सरकार ने उन पेड़ों की रक्षा करने का बीड़ा उठाया है। तिम्मक्का को उनकी निष्ठा, त्याग तथा सेवा के लिए नाडोज पुरस्कार, राष्ट्रीय नागरिक पुरस्कार, इंदिरा प्रियदर्शिनी वृक्ष मित्र, वीर चक्र, कर्नाटक कल्पवल्ली, गाड़ फ्री फिलिप्स धैर्य पुरस्कार, विशालाक्षी पुरस्कार, डॉ.कारंत पुरस्कार, कर्नाटक सरकार के महिला और शिशु कल्याण विभाग के द्वारा सम्मान पत्र आदि अनेकानेक पुरस्कारों से अलंकृत किया गया है। तिम्मक्का जी सन् 2012 में संपन्न प्रथम राष्ट्रीय पर्यावरण सम्मेलन की अध्यक्षा रहीं।

© KTBS Not to be republished

पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ तिम्मक्का अन्य सामाजिक कार्य भी कर रही हैं। अपने पति की याद में उन्होंने हुलिकल ग्राम में गरीबों की नि:शुल्क चिकित्सा के लिए एक अस्पताल के निर्माण कराने का संकल्प किया है। जो भी धनराशि पुरस्कार के रूप में तिम्मक्का को मिली है, उसे वह सामाजिक कार्य तथा दीन-दलितों की सेवा के लिए अर्पित कर रही हैं।

अपने जीवन में दर्द और तकलीफ उठाने के बावजूद सार्थक कार्य करनेवाली तिम्मक्का का व्यक्तित्व सबके लिए आदर्श है। सरकारी संसाधनों के अभाव में भी कोई एक व्यक्ति केवल अपनी निष्ठा व श्रद्धा की बदौलत किस तरह सामाजिक कार्य के लिए स्वयं को समर्पित कर सकता है, इसके लिए एक अत्युत्तम निदर्शन हैं तिम्मक्का।

******

टिप्पणी :

सालुमरद तिम्मक्का :

तिम्मक्का ने अपने जीवन काल में बहुत सारे पेड़ लगाकर उनकी देख-रेख की है। कतारों में शोभायमान बरगद के पेड़ लगाने के कारण वे सालुमरद तिम्मक्का नाम से जानी जाती हैं।

पाठ का आशय :

एक अनपढ़ महिला होकर भी तिम्मक्का पर्यावरण की रक्षा करती हैं। तिम्मक्का ने अपने महान कार्यों से सबको यह संदेश दिया है कि जो हमारे पास नहीं है, उसके बारे में व्यर्थ रोदन करने की अपेक्षा किसी न किसी सार्थक काम में लग जाने से जीवन सफल बन सकता है। इसके लिए तिम्मक्का का जीवन श्रेष्ठ उदाहरण है । वैयक्तिक दुःख और कमियों की चिंता करते हुए समय व्यर्थ गँवाने की अपेक्षा किसी उपयोगी काम में जुट जाने में जीवन की सार्थकता है। वृक्षप्रेमी तिम्मक्का ने अपने समाजोपयोगी कार्य द्वारा इसी सत्य को उजागर किया है। उनका कार्य और व्यक्तित्व अनुकरणीय है।

शब्दार्थ :

मिसाल-उदाहरण, कौर-निवाला, मेहनत-परिश्रम, इंतज़ाम-प्रबंध, व्यवस्था; तरसना-तड़पना, बेचैन रहना; राहगीर-पथिक, यात्री; मुसीबत-विपत्ति, तबीयत -स्वास्थ्य, तकलीफ-कष्ट, बदौलत-द्वारा, कृपा से।

मुहावरों का अर्थ :

पसीना बहाना = परिश्रम करना

हिम्मत न हारना = धीरज रखना

बीड़ा उठाना = जिम्मेदारी लेना

अभ्यास

I. मौखिक प्रश्न :

1. तिम्मक्का जी किस क्षेत्र में एक मिसाल हैं ?
2. तिम्मक्का के माता-पिता का नाम क्या था ?
3. तिम्मक्का और चिक्कय्या ने क्या निश्चय किया ?
4. चिक्कय्या कहाँ भीख माँग रहे थे ?
5. कर्नाटक सरकार ने किस कार्य का बीड़ा उठाया है ?

K T B S Not to be republished

II. लिखित प्रश्न :

अ. एक वाक्य में उत्तर लिखिए :

1. गुब्बी तालुक (तहसील) किस जिले में स्थित है?
2. तिम्मक्का के माँ-बाप अपना पेट कैसे पालते थे?
3. चिक्कय्या क्या काम करते थे?
4. एक दिन चिक्कय्या और तिम्मक्का ने मज़दूरी नहीं की तो परिणाम क्या होता था?
5. जानवरों के लिए तिम्मक्का दंपति ने क्या इंतज़ाम किया?
6. तिम्मक्का दंपति ने बरगद के डाल कहाँ लगाये?
7. पर्यावरण संरक्षण के साथ तिम्मक्का और कौन सा काम कर रही हैं?
8. तिम्मक्का दीन-दलितों की सेवा के लिए क्या समर्पित कर रही हैं?

आ. दो-तीन वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. तिम्मक्का दंपति किस प्रकार के धर्म-कार्य में लग गये ?
2. तिम्मक्का ने बरगद के डालों को कैसे पाला-पोसा ?
3. तिम्मक्का के जीवन में कैसी मुसीबत आ गई?
4. तिम्मक्का ने क्या संकल्प किया है?

इ. चार-पाँच वाक्यों में उत्तर लिखिए :

1. बच्चे को गोद लेने के कारण तिम्मक्का दंपति को दुःख भोगना पड़ा। क्यों?
2. पर्यावरण संरक्षण में तिम्मक्का का क्या योगदान है?
3. तिम्मक्का को किन-किन पुरस्कारों से अलंकृत किया गया है?
4. तिम्मक्का एक आदर्श व्यक्तित्व हैं। कैसे ?

K.T.B.S. Not to be republished

ई. रिक्त स्थान भरिए :

1. तिम्मक्का का जन्म ..... गाँव में हुआ था।
2. तिम्मक्का के माँ-बाप ..... करते हुए अपना पेट पालते थे।
3. तिम्मक्का के पति का नाम ..... था।
4. उनके गाँव के पास ..... का मंदिर था।
5. तिम्मक्का ने पेड़ों को ..... से रक्षा करने की व्यवस्था की ।

उ. वाक्य में प्रयोग कीजिए :

1. मिसाल -
2. मेहनत-मज़दूरी -
3. पसीना बहाना -
4. धर्म-कार्य -
5. तबीयत -
6. मुसीबत -

ऊ. कन्नड या अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :

1. अपना दत्तक पुत्र खोकर तिम्मक्का बहुत दुःखी हुई।
2. उन्हें अपने बच्चों की तरह प्रेम से पाला-पोसा।
3. तिम्मक्का के जीवन में मुसीबत की घड़ियाँ शुरू हुईं।
4. तिम्मक्का ने अब तक 300 से भी अधिक पेड़ लगाये हैं।
5. पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ तिम्मक्का सामाजिक कार्य भी कर रही हैं ।

K T B S Not to be republished

ऋ. पर्यायवाची शब्द लिखिए :

1. हिम्मत ....
2. पानी ....
3. पेड़ ....
4. पक्षी ....
5. महिला ....
6. तबीयत ....

ए. विलोम शब्द लिखिए :

1. जन्म ×
2. आसान ×
3. गरीब ×
4. अपना ×
5. छोटे ×

ऐ. अन्यवचन रूप लिखिए :

1. व्यवस्था - .....
2. सेवा - .....
3. पक्षी - .....
4. गाली - .....
5. बच्चा - .....
6. घर - .....

ओ. अन्यलिंग रूप लिखिए :

1. पति - .....
2. पिता - .....

K T B S Not to be republished

3. माँ - .....

4. महिला - .....

5. आदमी - .....

औ. प्रथम प्रेरणार्थक क्रिया रूप लिखिए :

1. करना - .....

2. चलना - .....

3. बनना - .....

4. उठना - .....

क. सार्थक वाक्य बनाइए :

1. चिक्करंगय्या पिता विजयम्मा माता थे उनके और ।

2. एक थी तिम्मक्का से में छः संतानों इनकी ।

3. मुसीबत की घड़ियाँ जीवन में तिम्मक्का के शुरू हुईं ।

ख. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए :

1. जो पति-पत्नी हो - .....

2. जिसकी कोई संतान न हो - .....

3. राह पर चलनेवाला - .....

4. जो पढ़ा-लिखा न हो - .....

ग. जोड़कर लिखिए -

1. फूला न समाना	-	य. निश्चिंत रहना
2. घोड़े बेचकर सोना	-	र. वश में रखना
3. उँगली पर नचाना	-	ल. होश आना
4. आँखें खुलना	-	व. नष्ट करना
5. आग बबूला होना	-	श. अत्यंत प्रसन्न होना
		ष. अत्यंत क्रोधित होना

KTBS Not to be republished

घ. तिम्मक्का के जीवन के घटना-क्रमानुसार वाक्य लिखिए :

1. जानवरों के लिए उन्होंने पीने के पानी का इंतज़ाम किया।
2. तिम्मक्का के जीवन में मुसीबत की घड़ियाँ शुरू हुईं ।
3. तिम्मक्का के पति का नाम बिक्कला चिक्कय्या था।
4. पेड़ों को भेड़-बकरियों से रक्षा करने की व्यवस्था की।
5. पर्यावरण-संरक्षण के साथ-साथ तिम्मक्का अन्य सामाजिक कार्य भी कर रही हैं।

च. रेखांकित कारकों का नाम लिखिए :

1. तिम्मक्का का नाम आज कर्नाटक के कोने-कोने में व्याप्त है।
2. वे दूसरों के खेत में पसीना बहाकर, काम किया करते थे।
3. दत्तक पुत्र के सगे माँ-बाप को निंदा सुननी पड़ी ।
4. गाँव के पास ही श्रीरंगस्वामी का मंदिर था।

पाठ से आगे -

- पेड़-पौधों की रक्षा करनेवाले अन्य पर्यावरण प्रेमियों के बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए।

******

K T B S Not to be republished